

65693 - कॉन्टैक्ट लेंस को सफाई के घोल में डालने के बाद इस्तेमाल करने से रोज़ा प्रभावित नहीं होता है

प्रश्न

क्या रोज़े के दौरान आँखों के लिए कॉन्टैक्ट लेंस का उपयोग करना जायज़ है? क्योंकि, जैसा कि आप जानते हैं, उन्हें साफ करने के लिए एक विशेष घोल में रखा जाता है? कृपया विस्तार से उत्तर दें।

विस्तृत उत्तर

रोज़े के दौरान कॉन्टैक्ट लेंस का उपयोग करना जायज़ है, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उन्हें पहले सफाई के घोल में रखा जाता है; क्योंकि इसमें सबसे खराब स्थिति यह हो सकती है कि इस घोल में से कुछ आँख में लीक हो जाए। इस प्रकार यह आँखों की बूँदों की तरह होगा, और विद्वानों के दो मतों में से सही मत के अनुसार, आँखों की बूँदों से रोज़ा नहीं टूटता है।

शैख इब्ने उसैमीन रहिमहुल्लाह ने फरमाया : “रोज़ेदार के लिए काजल (सुर्मा) का उपयोग करने, या अपनी आँखों में बूँदें डालने, या अपने कानों में बूँदें डालने में कोई आपत्ति की बात नहीं है, यहाँ तक कि अगर वह अपने गले में उसके स्वाद को महसूस करता है, तो इसके कारण उसका रोज़ा नहीं टूटता है; क्योंकि यह भोजन या पेय नहीं है, और न ही भोजन या पेय के अर्थ में है। जबकि प्रमाण केवल खाने और पीने से मना करने के बारे में आया है। इसलिए जो उनके अर्थ में नहीं है, उसे उनके साथ शामिल नहीं किया जाएगा। हमने जो यह उल्लेख किया है, उसी को शैखुल-इस्लाम इब्ने तैमियह रहिमहुल्लाह ने पसंद किया है और यही सही दृष्टिकोण है।”
उद्धरण समाप्त हुआ।

“फिक्रहुल-इबादात” (पृष्ठ : 191)

तथा प्रश्न संख्या : ([38023](#)) भी देखें।

और अल्लाह तआला ही सबसे अधिक ज्ञान रखता है।